चन्दन *m.n.* (r. चन्द् s. अन) santalum. In. 5. 8.

चन्द्र *m.* (r. चन्द् s. र) luna. Su. 2. 25.; *v.* चन्द्.

चन्द्रकान्त (e praec. et कान्त splendens, a r. कम्) 1) sicut luna splendens. Bhar. 1. 20. 2) *m.* gemma quaedam fabulosa, quae radiis lunae congelatis nasci creditur. Lass. 92. 7.

चन्द्रचूड *m.* (lunam in vertice gerens, *bah.* e चन्द्र et चूडा vertex) cognomen Sivi. Bhar. 1. 97.; *v.* चन्द्रशेखर.

चन्द्रमस् *m.* (e चन्द्र et मस् luna, quod simplex non invenitur et ex मास् correptum esse videtur) luna. N. 17. 6. Lass. 60. 3.

चन्द्रमौलि *m.* (*bah.* e चन्द्र et मौलि q. v.) cognomen Sivi. Ragh. 6. 34.

चन्द्रशाला *f.* (e चन्द्र et शाला) conclave in superiore domûs parte. Ragh. 13. 43.

चन्द्रशेखर (*bah.* e चन्द्र et शेखर) cognomen Sivi. Am.

चन्द्रिका *f.* (a चन्द्र s. इक in *fem.*) lunae lumen. Ragh. 19. 39.

1. चप् 1. *p.* (सान्त्वने *K.* सान्त्वे *V.*) consolari, blandiri.

2. चप् 1. *p.* se movere, vacillare; v. चपल et cf. चुप्, कम्प्; hib. *tap* «quick, swift», *tapadh* «haste, activity»; v. Pict. p. 41.

3. चप् 10. *p.* चपयामि (कल्के) conterere. (Cum voce कल्क, quâ radix चप् a grammaticis explicatur, conferatur lat. *calcare*; v. चल्.)

चपल (r. चप् s. अल) 1) tremens, vacillans. M. 42. Ragh. 11. 8. 2) celer, citus, alacer. Sak. 56. 3. *infr.* 3) vagus, mobilis, levis, inconstans. Hit. 24. 1. *Cf.* चम्प् et कम्प्.

चपलता *f.* (a praec. s. ता) levitas, mobilitas animi. Hit. 49. 15.

चम् 1. 5. *p.* चमामि, चम्नोमि, *part. pass.* चान्त (अदने *K.* भक्षे *V.*) edere, vesci; v. चाम्य. (Cf. जम्, क्षम्, जिम्; hib. *toimhil* «eatings» - v. Pictet p. 41. - *toimhlim* «I eat, waste, spend, consume».)

c. आ *productâ vocali radicali in tempp. spec.* 1) os aquâ eluere. Man. 2. 51.: अश्नीयाद् आचम्य; 5. 144.: आचामेद् एव भुक्त्वा; *v.* आचमनीय. 2) se lavare, purificare *in universum.* Man. 2. 222. 3. 217.: आचम्य; 5. 143.: आचान्तः शुचिताम् इयात्. - *Caus.* आचामयामि; Man. 5. 142.: स्पृशन्ति बिन्दवः पादौ य आचामयतः परान् (Schol. अन्येषाम् आचमनार्थं जलं ददतो ये बिन्दवो पादौ स्पृशन्ति.)

चमर (r. चम्?) bos grunniens. Wils.

चमस *m.* (r. चम् s. अस) patera sacrificalis. R. Schl. I. 32. 10.

चमू *f.* (ut videtur, a r. चम् s. ऊ) 1) exercitus. Ragh. 4. 30. 2) pars exercitûs. Mah. 1. 292.

चम्प् 1. *p.* ire, se movere; *v.* चपल *et cf.* चम्ब्, कम्प्.

चम्पक *m.* arbor quaedam gilvis, fragrantibus floribus, Michelia C'ampaka. C'aur. 1.

चम्ब् 1. *p.* (गत्याम्) ire; cf. खम्ब्, गम्ब्, घम्ब्.

चय् 1. *A.* (गतौ) ire. (Cf. शी, श्यै, nec non चर्, cum semivocales facile inter se mutentur; gr. κίω, κινέω, lat. *cieo, cio, citus*; hib. *cai* «a way, a road»; lith. *kója* pes, *kettur-kójis* quadrupes.)

चय *m.* (r. चि colligere, s. अ) cumulus, multitudo. (Cambro-brit. *cai* collectio; hib. *sceo* «plenty, abundance».)

चयन *n.* (r. चि colligere, s. अन) strues lignorum, rogus. Dr. 2. 7.

1. चर् 1. *p.* 1) ire, incedere, ambulare. N. 24. 34.: अयञ् चरति लोके ऽस्मिन् भूतसाक्षी सदागतिः; 33. 34.; Sa. 5. 74. *b.*: मृगाणाञ् चरताम् वने; In. 1. 23.: स्वर्गम् प्राप्ताश् चरन्ति स्म देवैः सह; *Atm.* ut videtur metri causâ, Sa. 5. 74.: नक्ताश्चराश् चरन्ते ते. 2) permeare, peragrare. N. 19. 32.: प्रच्छन्ना हि महात्मानश् चरन्ति पृथिवीम् इमाम्; 24. 23.: दूताश् चरन्ति पृथिवीं कृत्स्नाम्; Su. 4. 24. 3) facere, agere, committere. Br. 2. 31.: धर्मश्च चरितो मया; N. 24. 31.: यथा ना 'सत् कृतङ् किञ्चिन् मनसा 'पि चराम्य् अहम्; Bh. 3. 36.: पापञ् चरति; मृगयाञ् चरितुम् venari. Dr. 6. 9. -